



# 2 मोटर साइकिलों की टक्कर से सड़क पर गिरे 4 युवकों को ट्रक ने दौड़ा, 3 की मौत

**भोपाल,** देशबन्ध। गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में बीती रात को दो मोटर साइकिल अमने-सामने टक्करा गई। इसके बजाह से दोनों गाड़ियों समेत उन पर सवार चारों से यार सड़क पर गिर गए। इसी दौरान एक तेज रफतार से आ रहा अज्ञात ट्रक चारों को रोंदने हुए आगे निकल गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि अस्पताल में भर्ती उनके साथी की हास्पी अलग-अलग मोटर साइकिल से घर जाने के लिए निकले थे। रात कीरीब साढ़े 11 बजे औद्योगिक क्षेत्र स्थित शराब दुकान के पास उनकी मोटर साइकिल अमने-सामने टक्करा गई। इससे उन पर सवार चारों से यार गिर पड़े। उसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफतार अज्ञात ट्रक ने चारों को कुचल दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पास की फैक्ट्री में काम कर रहे लोगों ने सभी को एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। वहाँ चंकर करने के बाद चिकित्सक में अमजद और हस्पीदीन को मृत घोषित कर दिया, जबकि हस्पान की शनिवार सुबह इलाज

अंसारी और 20 वर्षीय परवेज के साथ गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित वर्षा अग्रवाल को फैक्ट्री में काम करता था। रोजाना की तरह हस्पीदीन, अमजद, हस्पान और परवेज रात का इयूटी पूरी कर दो अलग-अलग मोटर साइकिल से घर जाने के लिए निकले थे। रात कीरीब साढ़े 11 बजे औद्योगिक क्षेत्र स्थित शराब दुकान के पास उनकी मोटर साइकिल अमने-सामने टक्करा गई। इससे उन पर सवार चारों से यार गिर पड़े। उसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफतार अज्ञात ट्रक ने चारों को कुचल दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पास की फैक्ट्री में काम कर रहे लोगों ने सभी को एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। वहाँ चंकर करने के बाद चिकित्सक में अमजद और हस्पीदीन को मृत घोषित कर दिया, जबकि हस्पान की शनिवार सुबह इलाज

के दौरान मौत हो गई। वहाँ घायल परवेज की हालत भी अंधीरी बनी हुई है। गोविंदपुरा थाना प्रभारी पाठक ने बताया कि पुलिस दूरसंचाल के असाधारण अलावा औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर लगे सीसीटीवी की तस्वीरें को खंगलते हुए फैक्ट्री के कर्मचारियों को कुचलकर भागे ट्रक के बारे में सुना जुटा रही है। इससे उन पर सवार चारों से यार गिर पड़े। उसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफतार अज्ञात ट्रक ने चारों को कुचल दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पास की फैक्ट्री में काम कर रहे लोगों ने सभी को एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। वहाँ चंकर करने के बाद चिकित्सक में अमजद और हस्पीदीन को मृत घोषित कर दिया, जीवनी शब्द से एंबुलेंस से जारखंड के लिए रवाना किए गए।

## 2 महीने पहले ही भोपाल आया था हसन

हसन के जीवा जावर अंसारी ने बताया कि हसन दो महीने पहले ही भोपाल में काम के लिए आया था। वहाँ घायल परवेज की फैक्ट्री में काम कर रहे लोगों ने सभी को एंबुलेंस से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। वहाँ चंकर करने के बाद चिकित्सक में अमजद और हस्पीदीन को मृत घोषित कर दिया, जीवनी शब्द से एंबुलेंस से जारखंड के लिए रवाना किए गए।

## प्रथम पृष्ठ का शेष

कांग्रेस के नेताओं के बीच... से। उन्होंने कांग्रेस पर जुखी घोषणाएं करने का आरोप लगाया और कहा कि 3 दिसंबर को चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस की हकीकत समझे आ जाएगी। मध्यप्रदेश की जीत के साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ और राजस्थान का बया हाल कर दिया। श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस का मतलब हजारों करोंके घोलाल, अपरियोगों का बोलबाला, गरीबों से विश्वासघात दलितों पर अल्पाचार और राज्य को बीमार बनाने की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहाँ के कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री पद की कुसी के लिए ही लड़ रहे, कांग्रेस के केवल परिवारकारी का परचम लहरा सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मतलब हजारों करोंके घोलाल, अपरियोगों का बोलबाला, गरीबों से विश्वासघात दलितों पर अल्पाचार और राज्य को बीमार बनाने की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहाँ के कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री पद की कुसी के लिए ही लड़ रहे, कांग्रेस के केवल परिवारकारी का परचम लहरा सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक परिवर्त से बाहर रहें चाहे नहीं सकती। पार्टी ने देश के 5 साल के लिए इसे बाहर रखा जाएगा।

श्री मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में एक मुंबई एक्सप्रेस के की बड़ीलत रोजाना बढ़ेगी। अब ये अहम व्यापारिक केंद्र बनेगा। यह भाजपा ही है, जिसने मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास किया और इसे आधुनिक शिक्षा का हवा बनाया। इसलिए प्रदेश के लोग भाजपा पर अटूट विश्वास करते हैं। आज भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, लेकिन प्रदेश का भाजपा पर भरोसा तब से है, जब देश में भाजपा को बहुत कम लोग जानते थे।

## पेट्रोल पंप के कर्मचारी पर जानलेवा हमला आरक्षेडीएफ समूह ने निकाली मतदान जागरूकता ऐली

**भोपाल,** देशबन्ध। एमपी नगर जोन-दो स्थित पेट्रोल पंप पर शुक्रवार रात पेट्रोल भावाने पहुंचे तुकड़ा ने आनलाइन भुगतान करने के लिए पेट्रोल पंप के कर्मचारी के सिर पर रात रात शनिवार कर दिया। इसलिए उसने रोटे हुए बताया कि शक्ति लेवर के लिए स्पष्ट राज्य शिक्षा सर्वे में शुक्रवार के में धूम शिक्षक संतोष अधिवार ने बेरहमी से पीटा। इससे बच्ची के गुसांग पर भी चोटें आई। इससे डरी सहमी बच्ची शनिवार को जब स्कूल नहीं गई तो हमने बजाए पछ्यों तो उसने रोटे हुए बताया कि स्कूल में शिक्षक लेवर से पिटाई करते आ रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने स्कूल में इतना मारा कि अब मैं तुकड़ा स्कूल नहीं जाना चाहती हूं। बच्ची की यह बात सुनने के बाद अधिकारक बच्ची के साथ पढ़ने वाले बच्चों के घर पहुंचे। जहाँ बच्चों ने बताया कि किशक शराब पीकर स्कूल आते हैं।

### एटीएम कार्ड बदलकर लगाई 54 हजार रुपये की चप्टा

**भोपाल,** देशबन्ध। शाहपुरा थाना इलाके में सांची पालर संचालक अपने पिता का एटीएम कार्ड लेकर बदल लिया। उसके बाद कार्ड से दूरसे स्थान पर जाकर पांच बारे में 54 हजार रुपये खाते से निकल लिया। एमपी नगर थाना पुलिस के मुठाबिक ग्राम बरसेता जिला रीवा निवासी 23 वर्षीय चेतन पुत्र निवास के लिए एक शंकर संसाधन पर जाकर रात रात शनिवास के सिर व नाक में गंभीर चोट आई। साथी कर्मचारियों ने घायल श्रीनिवास को तुरते एक नियोजित अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस मामले में आरोपी ताहिर अधिकारक एक बदल लिया। इसके बाद वे वहाँ से चले गए। उपर अंकों ने जब दोबारा रुपये निकलने का प्रयास किया तो पता चला कि वह उसके पिता का एटीएम कार्ड नहीं है। धोखा होने का संदेश होने पर वह सीधी संबंधित बैंक पहुंचा। इससे पहले वह एटीएम कार्ड को बंद करा पाता, आरोपीयों ने तीन बार में 34 हजार रुपये आनलाइन दूरसे खाते में ट्रांसफर कर दिए और फिर दो बार में 10-10 हजार रुपये खाते से निकल लिया।

## शिक्षक ने छात्रों को बेरहमी से पीटा

**भोपाल,** देशबन्ध। सुबोध नेपालिया इलाके में संचालित शासकीय एकीकृत शाला में शुक्रवार को एक शिक्षक ने छठवें वर्षां की छात्रों की बेरहमी से पिटाई कर दी। इससे छात्रों के गुसांग में भी चोटें आई हैं। मारपीट से डरी सहमी छात्रों ने स्कूल में बाहर दिया। परिजनों ने बजाए पूछी तो बटाना का पता चला। इसके बाद अधिकारकों से शिक्षायाकारी विविधायक पर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि शिक्षक विविधायक और जिला शिक्षा अधिकारी (डीआईओ) के पास इसकी शिकायत की।

छात्रों के अधिकारकों ने बताया कि वे खेत पर मजदूरी का काम करते हैं। बेटी छठवें वर्षां की बेरहमी से पिटाई है। उसे में बच्ची को पीटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हालांकि शनिवार को बच्ची के अधिकारकों ने बताया कि वे खेत पर मजदूरी का काम करते हैं। बेटी छठवें वर्षां की बेरहमी से पिटाई है। उसे में धूम शिक्षक संतोष अधिवार ने बेरहमी से पीटा। इससे बच्ची के गुसांग पर भी चोटें आई। इससे डरी सहमी बच्ची को गुसांग पर भी चोटें आई। अधिकारी ने बताया कि वे खेत पर मजदूरी का काम करते हैं। बेटी छठवें वर्षां की बेरहमी से पिटाई है। उसे में धूम शिक्षक को पीटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

उधर जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि वे खेत पर मजदूरी का काम करते हैं। बेटी छठवें वर्षां की बेरहमी से पिटाई है। उसे में धूम शिक्षक को पीटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

जांच समिति गठित

उधर जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि वे खेत पर मजदूरी का काम करते हैं। बेटी छठवें वर्षां की बेरहमी से पिटाई है। उसे में धूम शिक्षक को पीटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

जांच समिति गठित

उधर जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि वे खेत पर मजदूरी का काम करते हैं। बेटी छठवें वर्षां की बेरहमी से पिटाई है। उसे में धूम शिक्षक को पीटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

जांच समिति गठित

उधर जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि वे खेत पर मजदूरी का काम करते हैं। बेटी छठवें वर्षां की बेरहमी से पिटाई है। उसे में धूम शिक्षक को पीटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

जांच समिति गठित

# देशबन्धु

वर्ष - 34 | अंक - 306 | भोपाल, रविवार 5 नवम्बर 2023 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 3.00 रुपए

चुनावी सभाओं में बोले अमित शाह

## कमलनाथ सरकार आई तो योजनाएं बंद कर देगी

भोपाल, देशबन्धु। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यदि कमलनाथ सरकार आई तो समस्त योजनाएं बंद कर देगी। वह आज प्रदेश के दौरे पर थे, उन्होंने यहां ग्वालियर संभाग क्षेत्र अंतर्गत शिवपुरी विधानसभा की कर्तृता और पिछोरा विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को सम्बोधित किया। सभा को केन्द्रीय मंत्री ज्ञानितार्थ और प्रदेश भाजपा विष्णुदत्त शर्मा ने की सम्बोधित किया।

केन्द्रीय मंत्री कांग्रेस के खिलाफ आक्रामक दिखे, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आई तो लाडली बहना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं बंद हो जाएंगी। भाजपा के पक्ष में मतभान की अपील करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस बार मध्यप्रदेश को बीमारू से बेमिसाल राज्य जिसने बनाया, उस डबल इंजन सरकार को चालू रखने के लिए बोट देना है,



क्योंकि भाजपा ने सबके कल्पयान के लिए काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को शासन मिलता है तो वो अपना घर भरने का काम करती है, भाजपा का विकास करती है। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने श्री कमलनाथ से सवाल किया कि जब वे 2002 में प्रदेश छोड़ कर गए थे तो यहां का बजट कितना था और अब कितना है। उन्होंने राज्य

सरकार के विकास कार्यों की गिनती भी कराई।

उन्होंने कहा कि दलितों और आदिवासियों के लिए नरेंद्र मोदी सरकार ने लाखार बजट बढ़वाया। उन्होंने कहा कि कमलनाथ में 93 लाख किसानों को 12 हजार रुपए मिल रहे हैं। वहीं 63 लाख लोगों को नल जल योजना का लाभ मिला। इसी प्रकार 3 करोड़ 70 लाख लोगों को 5 लाख का इलाज करने की सुविधा मिली। 82 लाख महिलाएं उज्ज्वला योजना से लाभांशित हुईं।

## गठबंधन को लेकर खड़गे ने खत्म की नीतीश की नाराजगी!



- खड़गे ने नीतीश से की बात, गठबंधन के प्रति प्रतिबद्धता जताई।
- चुनाव बाद गठबंधन के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगी कांग्रेस पार्टी

नई दिल्ली, इंडिया गठबंधन को लेकर नीतीश कुमार वाले बयान के बाद कांग्रेस से सक्रिय हो गई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हालात को संभालने के लिए नीतीश से बात की और गठबंधन को लेकर पूरी प्रतिबद्धता जताई। साथ ही भरोसा दिया कि पांच राज्यों के चुनाव के बाद कांग्रेस सहयोगियों से बात कर गठबंधन के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएगी। स्त्रों का कहना है कि खड़गे ने फोन पर नीतीश कुमार से बात कर उनकी नाराजगी खत्म करने की कोशिश की और गठबंधन को मजबूत बनाने को लेकर चर्चा की।

इंडिया गठबंधन बनने से पहले नीतीश कुमार ने ही पूरे देश में ममता बनर्जी से लेकर शरद पवार, स्टालिन, अरविंद केरियाला, अखिलेश यादव सहित तमाम क्षेत्रीय दलों के क्षत्रियों को साधने की तरीकी से बात करते हुए। उन्होंने कहा कि गठबंधन को लेकर कोई कोई चुनाव समाने होता है तो श्री मोदी भाजपा के लिए ईडी या आईटी विभाग को अपना मुख्य हथियार बनाना शुरू कर देते हैं।

भद्रोही के पूर्व विधायक मिशा को 15 साल की सजा

भद्रोही, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के भद्रोही जिले के पूर्व विधायक विजय मिश्रा को एक सिंगर के साथ कई बार दुष्कर्म के मामले में एमपी/एमएलए कोर्ट ने 15 साल की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति सुवोध सिंह की कोर्ट ने दोषी विजय मिश्रा पर 1,00,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। विजय मिश्रा, भद्रोही की जानपुर सीट से सपा के टिकट पर तीन बार और निशाद पार्टी के टिकट पर एक बार विधायक रह चुका है।

दिल्ली पुलिस ने गोगी गैंग के शार्पशूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गोगी गिरोह के एक शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है, जो राष्ट्रीय राजधानी में जबरन वसूली और गोलीबारी के मामलों में चांचित था। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अरोपी की पहचान दिल्ली के सलाहपूर माजरा डब्ल्यू निवासी अमित उर्फ मिदू (27) के रूप में हुई। अधिकारी ने कहा कि वह पहले भी शहर भर में दर्ज संवेदनशील मामलों में शामिल रहा है। पुलिस के मुताबिक, टिक्की के रोहिणी स्थित लाडपुर गांव में रहने वाले एक शिकायतकर्ता ने 24 अक्टूबर को रिपोर्ट दी कि 23 अक्टूबर को कुछ बदमाशों ने उनके घर के मेन गेट पर फायरिंग की थी।

मध्य प्रदेश में 70 के फेर से बदलती रही है सरकार

## प्रदेश की 230 सीटों पर 2533 प्रत्याशी आजमा रहे अपना भाव्य

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में नामांकन वापसी के बाद और भाजपा सत्ता में आ गई। बात करें 2008 के चुनावों की तो इस चुनाव में 4576 नामांकन मेंदान में उत्तरने वाले प्रत्याशियों की स्थिति भरे गए। नाम वापसी और सर्वोक्षण के बाद साफ हो गई है। इस बार प्रदेश की 230 सीटों पर करीब 2533 प्रत्याशी भाग्य लिया गए।

दायित्व किया गए थे। यानी 58 प्रतिशत नामांकन के आधिकारी पड़ाव तक रहेंगे। बीते बीस सालों के नामांकन के आंकड़े बहुत कुछ कहते हैं। ट्रेड देखें तो पता चलता है कि जब भी 30 प्रतिशत से कम नामांकन वापस लिए गए तब समाधारी दल को नुकसान पहुंचा है। बीस साल पहले 2003 में दुएं चुनाव से पहले प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी। 2003 में 305 नामांकन पर्यंत भरे गए थे। नाम वापसी की तारीख के बाद 2171 उम्मीदवार मैदान में थे। यानी करीब 29 प्रतिशत नामांकन पर्यंत वापस लिए गए। इसे यूं भी कह सकते हैं कि 71 प्रतिशत उम्मीदवार मैदान में ढेरे रहे। जब भी परिणाम आए तो कांग्रेस की सरकार बदल गई

और भाजपा सत्ता में आ गई। बात करें 2008 के चुनावों की तो इस चुनाव में 4576 नामांकन मेंदान में उत्तरने वाले प्रत्याशियों की स्थिति भरे गए। नाम वापसी और सर्वोक्षण के बाद 3179 प्रत्याशी बचे थे। मतलब करीब 69 प्रतिशत प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा। इस बार प्रतिशत से ज्यादा नामांकन वापस ले लिया गए। नतीजे में भाजपा की सत्ता कायम रही। यानी 2013 में भी लगभग ऐसी ही स्थिति रही। 2013 में 3741 नामांकन दाखिल किए गए थे। इसमें से 2483 उम्मीदवार आधिकारी वक्त तक मैदान में थे। यानी भी करीब 69 प्रतिशत उम्मीदवार ढेरे रहे। 30 फौसदी से अधिक नामांकन वापस खांच लिए गए। इस बार भी भाजपा ही सत्ता पर कायिक रही थी। 2018 के चुनाव में फिर नामांकन के आंकड़े भी 2003 जैसे दिखे। इस इलेक्शन में 3948 नामांकन भरे गए थे, निर्वाचित समय के बाद 2899 उम्मीदवार किला लड़ने के लिए मैदान में थे। यानी 73 प्रतिशत उम्मीदवार मैदान तक पहुंचे। इस बार भी सिर्फ 27 प्रतिशत नामांकन वापस लिए गए।

एमपी के मौज में मोदी

## प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विधाल जनसभा

05 नवंबर, रविवार

सिवनी

जगदम्बा सिंटी ग्राउंड

खंडवा

AISECT कॉलेज ग्राउंड

सुबह 11:30 बजे

दोपहर 3:15 बजे



कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं

प्रधानमंत्री जी की जनसभा Live देखने के लिए QR Code स्कैन करें



# साहित्य



**■ ज़ाहिद खान**  
रतीय सिनेमा में पृथ्वीराज उम्मीदवाल शख्सियत का नाम है, जिनकी शानदार अदाकारी के साथ-साथ उनकी बेजोड़ इंसानियत और बेपानाह दरियादिली के भी कई किस्से मक्कबूल हैं। पृथ्वीराज कपूर जब कामयाबी के उरुज पर थे, तब उन्होंने बॉक्स में एक ट्रैकलिंग थियेटर कंपनी के तौर पर 'पृथ्वी थिएटर' की कायमगी की। इस ग्रुप का मोटो था 'कलां देश के लिए'। पृथ्वी थियेटर के मार्फत देश के छोटे-बड़े शहरों में उन्होंने ढाई हजार से ज्यादा नाटकों का मंचन किया। पृथ्वी थिएटर में तकरीबन डेढ़ सौ लोग शामिल थे। तीन घंटे का शो खत्म होने के बाद, पृथ्वीराज कपूर गेट पर झूला लेकर खड़े हो जाते थे, ताकि शो देखकर आ रहे दशक उसमें अपने दिल से कुछ मदद करें। शो के ज़रिए जो पैसा इकट्ठा होता, उससे उन्होंने एक 'वकर फँड' बनाया था। जो 'पृथ्वी थिएटर' में काम करने वाले कलाकारों, टैक्नीशियनों और कर्मचारियों की मदद के काम आता था। बीसवीं सदी का चौथा दशक मुल्क की सियासत में बड़ा उथल-पुथल भरा और हुक्मत ने जब भारत पर अपनी गिरफ्तर कमज़ोर होनी देखी, तो उसने देश के दो बड़े समुदायों विंदू और मुस्लिम की एकता को तोड़ने के लिए उनके बीच मतभेद बढ़ाना शुरू कर दिए। ताकि ये दोनों क़ौमें अपस में भिड़ी रहें और वे आराम से उन पर हुक्मत करते रहें। पृथ्वीराज कपूर ने 'पृथ्वी थिएटर' के ज़रिए बहुत जो डायरेक्टर, 'पठान' और 'आहुति' के रूप में एकता को बढ़ावा देते थे। उन्होंने अपने इन नाटकों के माध्यम से देशवासियों में जहां एकता का पाठ पढ़ाया, वहां अंग्रेज़ हुक्मत की चालबाजियों की तरफ़ भी इशारा किया। देश

पृथ्वीराज कपूर 'भारतीय जन नाट्य संघ' यानी इटा के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। साल 1943 में जब मुंबई में इटा की दागबैल डली, तो वो उससे जुड़ गये। पृथ्वीराज कपूर मुंबई इटा के ऑनरेसे प्रेसीडेंट भी रहे। बंगाल में जब भयानक अकाल पड़ा, तो इटा ने अकाल पीड़ितों की मदद के लिए, देश भर में नाटकों के कई शो किये। ताकि चंदा इकट्ठा किया जा सके। रेबा रॉय चौधरी जो इटा की एक अहम साथी थी, उन्होंने अपनी आत्मकथा में मुंबई के उस वाकिआत का तप्सील से ब्यौरा दिया है, जिसमें पृथ्वीराज कपूर अकाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आये थे।

की

'भारतीय जन नाट्य संघ' यानी इटा के संस्थापक सदस्यों में से एक है। साल 1943 में जब मुंबई में इटा की दागबैल डली, तो वो उससे जुड़ गये। पृथ्वीराज कपूर अपने सर की टोपी हाथ में लेकर, दर्शकों के बीच पहुंच गए और अपने बालीबुड़े के सभी साथियों के साथ बीस हजार रुपए बताएं चंदा इकट्ठा करके हमे दे गए।'

पृथ्वीराज कपूर के बारे में ऐसे कई किस्से मरहाह हैं, जब उन्होंने अपने साथी कलाकारों या नियर कराये। उन्होंने अपनी आत्मकथा में इस बात का तप्सील से ब्यौरा दिया है कि किस तरह से उन्होंने अपने मामूली कर्मचारी को प्लेग की अफवाहों के बीच, कंधे पर रखकर उसे अस्पताल पहुंचाया। यहां नहीं वे उस बक्तव्य तक अस्पताल में रहे, जब तक वे वह कर्मचारी सहेमद नहीं हो गया। उन्होंने अपने मामूल बनाकर हमने 'वायस ओफ बंगाल' का प्रदर्शन किया। पहले 'है. है. जापान' गीत के साथ डांस, फिर हारीन चट्टोपाध्याय का डांस 'दही बेचने वाला...' उसके बाद हमने उनका गीत गाया 'सूर्य अस्त हो गया गगन मस्त हो गया।' एक के बाद एक गीत औं नृत्य चल रहे हैं। दर्शक दीवारों में पुरुषी दुनिया की बड़ी-बड़ी हस्तियां विठ्ठल के कपूर और अपनी बीबी के साथ। जयराज, बनमाल, बी शांतराम और शोभना समर्थ वगैरह। मंच पर गीत चल रहा है 'सुनो हिन्द के रहने वाले..।' अचानक पृथ्वीराज कपूर मंच पर आकर

मदद के लिए कुछ करना चाहिए।' फिर वे अपने सर की टोपी हाथ में लेकर, दर्शकों के बीच पहुंच गए और अपने बालीबुड़े के सभी साथियों के साथ बीस हजार रुपए बताएं चंदा इकट्ठा करके हमे दे गए।'

पृथ्वीराज कपूर के बारे में ऐसे कई किस्से मरहाह हैं, जब उन्होंने अपने साथी कलाकारों या नियर कराये। उन्होंने अपनी आत्मकथा में इस बात का तप्सील से ब्यौरा दिया है कि किस तरह से उन्होंने अपने मामूली कर्मचारी को प्लेग की अफवाहों के बीच, कंधे पर रखकर उसे अस्पताल पहुंचाया। यहां नहीं वे उस बक्तव्य तक अस्पताल में रहे, जब तक वे वह कर्मचारी सहेमद नहीं हो गया। उन्होंने अपने मामूल बनाकर हमने 'वायस ओफ बंगाल' का प्रदर्शन किया। पहले 'है. है. जापान' गीत के साथ डांस, फिर हारीन चट्टोपाध्याय का डांस 'दही बेचने वाला...' उसके बाद हमने उनका गीत गाया 'सूर्य अस्त हो गया गगन मस्त हो गया।' एक के बाद एक गीत औं नृत्य चल रहे हैं। दर्शक दीवारों में पुरुषी दुनिया की बड़ी-बड़ी हस्तियां विठ्ठल के कपूर और अपनी बीबी के साथ। जयराज, बनमाल, बी शांतराम और शोभना समर्थ वगैरह। मंच पर गीत चल रहा है 'सुनो हिन्द के रहने वाले..।' अचानक पृथ्वीराज कपूर मंच पर आकर

तप्सील से ब्यौरा दिया है, जिसमें पृथ्वीराज कपूर अकाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आये। ताकि चंदा इकट्ठा किया जा सके। रेबा रॉय चौधरी जो इटा की एक अहम साथी थी, उन्होंने अपनी आत्मकथा में मुंबई के उस वाकिआत का तप्सील से ब्यौरा दिया है, जिसमें पृथ्वीराज कपूर अकाल पीड़ितों की मदद के लिए आगे आये थे।

आजादी के लिए उन्हें बेदार किया।

पृथ्वीराज कपूर की अदाकारी के बारे में जोश मलीहाबादी की शैदाई थी। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का किंवदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े रहे हमीद अखूतर ने लिखते हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मलीहाबादी का एक बहुत अच्छा खाका लिखा है। इस खाके में जोश के बहाने पृथ्वीराज कपूर का क्रिंदर भी क्रया-क्रया खूब सामने आया। साल 1946 में हिंदी सिनेमा से जुड़े हैं कि पृथ्वीराज कपूर का अदब और अदीबों से भी बड़ा लागा था। खास तौर पर वे जोश मलीहाबादी की शैदाई थे। अदीब, जर्नलस्ट हमीद अखूतर ने अपनी एक किताब 'आशनाईया क्रया-क्रया' में जोश मल







